Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D—6505

PAPER—III

Time : 2½ hours] **PERFORMING ARTS** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PERFORMING ARTS

DANCE/DRAMA/THEATRE

अभिनय कला

नृत्य / नाटक/रंगमंच

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

Note : All sections are compulsory. The candidates should select any one of the Group A or Group B from Paper III and answer all the questions of that group only from each section. This paper contains four (4) sections of two hundred (200) marks. Candidates are required to attempt the questions contained in these units according to detailed instructions given therein seperately.

नोट : समस्त अनुभाग अनिवार्य है। विद्यार्थी प्रश्नपत्र III से वर्ग 'ए' अथवा वर्ग 'बी' में से किसी वर्ग को चुनें तथा उस वर्ग के समस्त प्रश्नों के उत्तर दें-प्रत्येक अनुभाग से भी प्रश्नों को चुनें। इस प्रश्नपत्र में चार (4) खंड दो सौ (200) अंको के हैं। अभ्यर्थियों को इन खंडो में समाहित प्रश्नों का उत्तर उनमें दिये गये अलग विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains a paragraph and five specific questions from it. Candidates are required to answer each question in upto 30 words. It shall carry.

(5 x 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5 x 5 = 25 कुल अंक)

DANCE / नृत्य

Group - A / समूह - A

"Three broad principles govern the structure of Indian drama and stage presentation. The first is the principle of the modes of presentation, namely, the modes (dharmis), stage way or stylized way (natya) and natural or the way of the world (loka). The second consists of different types of styles (vrittis), namely the graceful (kaiseki) the grand (sattavati), the energetic (arabhati) and the verbal (Bharati).; The third is the full play of the four types of acting (abhinaya), namely the gestures (angika), vocal (vachika), costume, make-up, stage props etc (aharya) and involuntary, of the temperament and emotional, etc (sattvika).

"भारतीय नाट्य एव मंच प्रस्तुति की संरचना को तीन मुख्य सिद्धान्त शासित करते हैं। प्रथम है, प्रस्तुतिकरणों की शैलियों का सिद्धान्त–जिनके नाम हैं– शैलियां (धर्मी,) रंगमंच के ऊपर प्रस्तुति का स्वरुप, एवं ढ़ंग (नाट्य) स्वाभाविक तथा जीवन–यापन का स्वरूप (लोक) दूसरे से विभिन्न प्रकार की शैलियां (वृत्तियाँ) हैं– जैसे कि लालित्यपूर्ण (कैशिकी), प्रतापी (सात्विती) तथा उत्साहयुक्त (आरामटी) तथा वाचिक (भारती), तीसरे में अभिनय के चारों स्वरुपों की सम्पूर्ण क्रिया है (अभिनय) जैसे भगिनाएँ (आंगिका), वाचक, (वाचिका), वेशभूषा, सज्जा, मंच,सज्जा, इत्यादि (आहार्य) तथा स्वभाव का और भावों का अनैच्छिक प्रकाश, (सात्विका)

DRAMA - THEATRE / नाटक – रंगमंच

Group - B / समूह - B

Read the following passage carefully and answer the questions linked with the given passage :

In Bharata's concept of natya, dance and drama are not distinct entities, but are knit together by the common element of abhinaya. Bharata does not distinguish the two. The emotional dance mode, popular even today and theoretically based on the Natyashastra is called Bharata-natyam. And Kalidasa equates the two terms in Malavikajnimitram. Dance

mode was used for movements, gestures, and such actions as chariot-ride, duel or fight, in the stage presentation of a drama, and somtimes as a substitute for nepathya or stage equipment. Bharata groups these modes under the term natyadharmi abhinaya, which is conventional, symbolical or suggestive representation. Unlike the Western drama, or the modern drama with which we are familiar, the Sanskrit drama was a symbolical or suggestive representation. - G.K. Bhat

निम्न अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इनसे संबद्ध प्रश्नों के उत्तर दीजिए!

भरत की नाट्य की संकल्पना में नृत्य एंव नाटक दोनों का प्रथक अस्तित्व नहीं है, परन्तु वे दीजिए ''अभिनय'' के एकसूत्र द्वारा परस्पर जुडे हैं। भरत दोनों में भेद नहीं मानते हैं। भावात्मक नृत्य पद्धति, जो आज भी लोकप्रिय है तथा सैद्धान्तिक रूप से नाट्य -शास्त्र पर आधारित है, वह भरत नाट्यम कहलाती है। तथा कालीदास इन दोनों स्वरूपों को ''मालविकाग्निमित्रम'' में समीकृत करते हैं। नाटक की मंच-प्रस्तुति में तथा कभी कभी नेपथ्य अथवा मंच उपकरण के विकल्प के रूप में, नृत्य पद्धति का प्रयोग, शरीरिक हलन-चलन तथा रथ की सवारी, द्वन्द्व युद्ध अथवा युद्ध जैसे संकेतों के लिए किया जाता था। भरत इन चेष्टाओं को नाट्यधर्मीअभिनय के अर्न्तगत वर्गीकृत करते हैं जो कि पारम्परिक, प्रतीकात्मक अथवा अभिव्यंजक प्रतिनिधित्व करते है। पाश्चात्य नाटक अथवा आधुनिक नाटक, जिनसे हम परिचित हैं - इनसे विपरीत, संस्कृत नाटक प्रतीकात्मक अथवा प्रतिनिध्यात्मक थे। - जी.के. भाट

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

1. Name Anga & Upanga - as per Abhinaya Darpanā.

अभिनय दर्पण के अनुसार अंग और उपांग के नाम लिखिये।

OR / अथवा

Explain why in Sanskrit dramatic tradition, there was no scope for a realistic representation of life?

संस्कृत नाट्य परम्परा में जीवन के यथार्थवादी प्रतिनिधित्व की कोई संभावना क्यों नहीं थी? व्याख्या कीजिए।

2. Write the Satvika-bhāvas as per Nātyashastra.

नाट्यशास्त्र के अनुसार सात्विक भाव लिखिये।

OR / अथवा

What are the common elements of (acting) abhinaya found in dance and theatre?

नृत्य एवं नाट्यशाला में जो अभिनय के सामान्य तत्व दृष्टव्य हैं–वे कौन से हैं?

3. Describe any two of the Vritties - with examples.

उदाहारण के साथ किन्ही दो वृत्तियों का विवरण दें।

OR / अथवा

Sanskrit plays are performed on stage by both dancers and theatre persons. How are they different? Explain with an example?

मंच के ऊपर संस्कृत नाटकों का मंचन, नर्तकों एवं रंगमंच कलाकारों–दोनों के द्वारा किया जाता हैं। वे परस्पर किस दृष्टि से भिन्न हैं? एक उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए.

4. What is the principle underlying Kathakali make-up?
कथकली की रंगभूषा किस मूलभूत सिद्धान्तों पर आधारित है?

OR / अथवा

Explain how dramatic speech is rendered in Natyadharmi abhinaya?
किसी नाट्यधर्मी अभिनय में प्रभावशाली संवाद किस प्रकार प्रस्तुत किये जाते है?

5. Name any three martial arts prevelant in India.
भारत में प्रर्वतित किन्हीं तीन युद्ध-संबन्धी कलाओं के नाम लिखें।

OR / अथवा

Explain why the emotional dance mode is popular even today in films in Indian Languages?
भारतीय भाषाओं की फ़िल्मों में भावनात्मक नृत्य आज भी लोकप्रिय क्यों है? व्याख्या कीजिए

SECTION - II
खण्ड – II

DANCE, DRAMA / THEATRE
नृत्य, नाटक/रंगमंच

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

6. What is modern dance?
आधुनिक नृत्य (मॉडर्न डान्स) क्या है?

OR / अथवा

What do you understand by the term- 'improvisation' used in the context of theatre performance.
नाट्य-प्रस्तुति के संदर्भ में "Improvisation" इस शब्दपद से आपका क्या तात्पर्य है?

7. Write about baul, Santhal and the dance of Koli's.
बाउल, सान्थाल और कोल्याचा नाच का वर्णन करे।

OR / अथवा

Define the four-fold division of Abhinaya.
अभिनय के चौहरे (fourfold) विभाजन को परिभाषित कीजिए।

8. What is an Uparupaka?
उपरूपक क्या है ?

OR / अथवा

Discuss briefly Rasa and its constituent elements: Sthayi, Vyabichari and Sattvika Bhava, their Vibhava and Anubhava.
रस तथा उसके अभिन्न अवयवों पर संक्षेप रूप से चर्चा कीजिए; स्थायी, व्यभिचारी, एवं सत्विकी भाव, उनके भाव और अनुभाव।

9. What is a folk-dance?
लोक-नृत्य क्या है ?

OR / अथवा

What are the ten types of plays according to Dhananjaya. Discuss any two.
धनंजय के अनुसार नाटकों के दस प्रकार कौन से हैं। किन्ही दो पर चर्चा कीजिए

10. Write about Karana-s of Chidambaram
चिदंबरम् के करणों के बारे में लिखे।

OR / अथवा

Describe the performance aspects of a traditional theatre form of your region.
अपने क्षेत्र के किसी पारम्परिक नाट्य स्वरूप के प्रस्तुति सम्बन्धी पक्षों का वर्णन कीजिए।

11. Define Tribhangi and Ati-bhangi.
त्रिभंगी और अति-भंगी को परिभाषित करे।

OR / अथवा

Describe the concept of 'theatre-in-education'
"थियेटर-इन-एजुकेशन"- इस संकल्पना का वर्णन कीजिए

12. Define a Chari and a Nritta Hasta
चारी और नृत्तहस्त को परिभाषित करे।

OR / अथवा

Describe the five 'Avasthas' according to Bharata's idea of vastu/itivritta.
भरत की "वास्तु/इतिवृत्त" की विचारणा के अनुसार पाँच "अवस्थाओं" का वर्णन कीजिए

13. Describe the Masks of Kabuki (Japan).

काबुकी (जापान) के मुखोटों का वर्णन करें।

OR / अथवा

Define and discuss 'Charis' and 'Karanas'.

"चारी" तथा "करण" को परिभाषित कीजिए तथा उन पर चर्चा कीजिए।

14. Analyse the character of Draupadi.

द्रोपदी का चरित्र विश्लेषण करें।

OR / अथवा

Describe the salient features of a 'Proscenium theatre'.

"प्रोसीनियम थियेटर" के प्रमुख अभिलक्षणों का वर्णन कीजिए।

15. Describe the highlights of the Arangetram Kandai of Shilapadikaram
शिलपदीकारम् के अरंगट्र कांड की खूबीयों का वर्णन करें।

OR / अथवा

Describe the various units/components and their functions of a Spotlight used for stage lighting.
विभिन्न यूनिटो/घटकों का वर्णन कीजिए तथा मंच प्रकाशन करने वाले बिन्दु-प्रदीप (Spotlight) के लिए उनके प्रकार्य का वर्णन कीजिए

16. Write the concept of Nritya as by Sarangadeva
सांरगदेव के अनुसार "नृत्य" को लिखे।

OR / अथवा

What is Sandhi? Discuss briefly the five sandhis described by Bharata.
संधि किसे कहते हैं? भरत द्वारा वर्णित पाँच सन्धियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

17. Describe the concept of "Yati" in Carnatic music.
कर्णाटीक संगीत पर आधारित "यति'' का विवरण करें।

OR / अथवा

What is Poorvaranga? Discuss its significance in a traditional performance.
पुर्वरंग किसे कहते हैं? किसी पारम्परिक प्रस्तुति में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।

18. What is a Matra ? What is its importance in Tala?
मात्रा क्या है? उसकी ताल के स्वरूप में क्या अगन्यता है?

OR / अथवा

What is 'Garbha Nataka'? Explain with an example.
'गर्भ-नाटक' किसे कहते हैं? एक उदाहरण के साथ इसका वर्णन कीजिए।

19. Write about Gizell, Nijinsky and Paul Taylor.
जीझेल, नीजीन्की और पोल टेलर के बारे में लिखें।

OR / अथवा

Explain the concept 'alienation' in Brecht's concept of Epic theatre.
ब्रैश्ट की "एपिक थियेटर'' की संकल्पना के अन्तर्गत "एलिनेशन" की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

20. List - five famous classical Dance festivals of India and describe one of them.
भारत के सुप्रसिद्ध किन्ही पाँच शास्त्रीय नृत्य महोत्सव के नाम लिखें और किसी एक का वर्णन करें।

OR / अथवा

Do you think theatre suffered because of television? Discuss.
क्या आपके विचार से रंगमंच को टेलिविजन के कारण हानि पहुँची है? चर्चा कीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों का पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

DANCE, DRAMA / THEATRE

नृत्य, नाटक/रंगमंच

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

21. Describe the golden age of Russian ballet with its productions, stars, choreographers.

रशियन बेले के सुवर्ण युग का वर्णन उसकी नृत्य-रचना, प्रमुख नृत्यकार और नृत्य-निर्देशक के साथ करें।

OR / अथवा

Epics, puranas and legends are the main sources of artistic and literary expression in classical India. Discuss with some examples.

"क्लासीकल" भारतवर्ष में कलात्मक एवं साहित्यिक अभिव्यंजना के प्रमुख स्रोत, महाकाव्य, पुराण तथा आख्यान हैं। कुछ उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

22. What changes are marked in the structure of presentation of Bharatanatyam in last 10-15 years ? Give your opinion.

पिछले 10-15 वर्षों में भरतनाट्यम के प्रस्तुतीकरण में क्या फर्क देखा जाता है? अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

OR / अथवा

Besides the Natayashastra text, what are the other traditional artistics and textual sources available for a comprehensive understanding of classical Indian theatre tradition ?

क्लासिकी भारतीय रंगमंच परम्परा के व्यापक अर्थ को जानने के लिए, नाट्यशास्त्र के अतिरिक्त, अन्य कौन से पारम्परिक कलात्मक तथा मुलपाठ विषयक स्रोत उपलब्ध हैं?

23. What classical dance forms have integrated martial arts in them ? Describe.

किन शास्त्रीय नृत्य शैलीयों ने युद्धकलोओं का समन्वय किया है? विवरण करें।

OR / अथवा

Explain the four VRITTIs discussed in Natyashastra and discuss their presence in traditional theatre performances.

नाट्यशास्त्र में चर्चित चार "वृत्तियों" की व्याख्या कीजिए तथा पारम्परिक रंगमंच प्रस्तुतियों में उनकी उपस्थिति पर चर्चा कीजिए

24. What are the essentials of a choreographer for a dance-drama production?

कोई नृत्य-नाटिका की रचना के लिये, नृत्य-निर्देशक में क्या होना जरूरी है?

OR / अथवा

Write about a few traditional performing art forms associated with the Bhakti movement.

भाक्ति आन्दोलन से जुडे हुए कुछ पारम्परिक अभिनय कला के स्वरूपों के विषय में लिखिए।

25. Write on the role of the critic for the healthy growth of dance activity.

नृत्यकला की स्वस्थ वृद्धी में नृत्य समीक्षक-आलोचक की भूमिका के बारे में लिखिए।

OR / अथवा

Do you think a practical knowledge of traditional theatre forms still surviving in various regions of India helpful in presenting Sanskrit plays today. If so, how ?

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जो पारम्परिक रंगमंच अवशिष्ट हैं, क्या आपके विचार में उनकी जानकारी, आज के समय में संस्कृत नाटकों की प्रस्तुति में सहायक होगी। यदि हाँ तो किस प्रकार से यह हो पाएगा?

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

26. What are the new directions, thoughts, philosophies needed to make the classical dance more vibrant, attractive and flourishing for the times to come?

शास्त्रीय नृत्य को आगामी काल तक और अधिक सजीव, आकर्षक तथा समृद्ध बनाने के लिए कौन सी नई दिशाएँ, विचारणायें तथा दार्शनिक विचार उपयुक्त है ?

OR / अथवा

Write about at least four well known contemporary Indian plays from different Indian Languages in terms of their dramatic structure, performability and contemporary social concerns.

कम से कम चार सुप्रसिद्ध समसामयिकी भारतीय नाटकों के विषय में लिखिए जो विभिन्न भारतीय भाषाओं में हों–उनके नाट्य संरचना, अभिनयपरकता तथा समसामयिकी सामाजिक सरोकारों को दृष्टिगत करके लिखिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....